



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 19 जुलाई, 2002/28 आषाढ़, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग  
(डी-अनुभाग)

अधिसूचना

शिमला-171 002, 16 मई, 2002

संख्या जी० ए० डी०-डी-1(ए)1-3/89.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, अधिसूचना संख्या जी० ए० डी०(डी)1(ए)1-3/89, तारीख 15-5-1937 द्वारा अधिसूचित, हिमाचल प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग (सम्पदा निदेशालय) में वरिष्ठ सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सामान्य प्रशासन (सम्पदा निदेशालय) वरिष्ठ सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2002 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "घ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश सम्पदा निदेशालय वरिष्ठ सहायक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

"5800-200-7000-220-8100-275-9200 रुपये"

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्:—

लिपिकों/वरिष्ठ लिपिकों/कनिष्ठ सहायकों के सामान्य लिपिकीय स्तरों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 10 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित 10 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो और कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक ग्रेड-I में से प्रोन्नति द्वारा जिनका कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक ग्रेड-I और ग्रेड-II के ग्रेड में संयुक्त रूप में 10 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित 10 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए पात्र कर्मचारियों की उनके अपने-अपने ग्रेड में सेवाकाल के आधार पर उनकी पारस्परिक वरिष्ठता को छोड़ें बिना एक संयुक्त वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी। तथापि सहायकों एवं कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक ग्रेड-I के पद के पदाधिकारियों को लिपिक/वरिष्ठ लिपिकों से (उपर) वरिष्ठ रखा जायेगा।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शत के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा/समझे जायेंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा/समझे जायेंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मंड फोर्सिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकैन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उद्बन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा का गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक बरीयता अपरिवर्तित रहेंगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/  
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this department notification No. GAD-(D)1(A)1-3/89-loose, dated 16-5-2002 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT (Section-D)

### NOTIFICATION

Shimla-171002, the 16th May, 2002

**No. GAD-(D)1(A)1-3/89.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the H. P. Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh, Directorate of Estates, Senior Assistant, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 1997 notified *vide* notification No. GAD-(D)1(A)1-3/89, dated 15-5-1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Directorate of Estates Senior Assistant, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment & Promotion (First Amendment) Rules, 2002.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure-A.*—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Directorate of Estates Senior Assistant, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997:—

(a) For the existing provision against Column No. 4, the following shall be substituted namely:—

“Rs. 5800-200-7000-220-8100-275-9200”.

(b) For the existing entries against Column No.11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the common clerical cadre of Clerks/Senior Clerks/Junior Assistants, with ten years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service in the grade and Junior scale Stenographer Grade-I with 10 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service as Junior Scale Stenographer Grade-I and Grade-II combined in the grade.

For the purpose of promotion a combined seniority list of eligible officials based on the length of service in the respective grade without disturbing their cadrewise *inter-se* seniority shall be prepared. However, the incumbents of the posts of Junior Assistant and Junior Scale Stenographers Grade-I shall be placed enbloc senior to Clerks/Senior Clerks.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment & Promotion Rules, provided that :

(i) in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment/Promotion shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.